नारी ही बदलेगी समाज की तकदीर-ब्र. कु. शिवानी

लखनऊ। हमारे कर्म ही हमारे पहिचान के आधार है। जैसा हम सोचते हैं वैसा बन जाते हैं। हमें अपने थाट प्रोसेस का सकारात्मक बनाने का प्रयास करना चाहिए। नारी सदैव से सृजनात्मक रही है। बिना नारी उत्थान के समाज का उत्थान नहीं हो सकता। उक्त उदगार लाखों की जिन्दगी में श्रेष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा का संचार करने वाली तथा वर्तमान समय की मैनेजमेन्ट गुरू ब्रह्माकुमारी शिवानी ने व्यक्त किये। ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा **'खुशनुमा पारिवारिक जीवन में महिलाओं का योगदान'** विषय पर आयोजित प्रेस कान्फ्रेन्स में पत्रकारों से मुखातिब हो रही थी।

उन्होंने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज जरूरत है कि महिलायें आंतरिक रूप से सशक्त बनें। इतिहास गवाह है कि महिलाओं के द्वारा ही बड़े व्यापक रूप में वैश्विक परिवर्तन हुए है। इसलिए तो भारत माता, वन्देमातरम की जय कहा जाता है। राम भले ही बड़े थे परन्तु सीता का नाम पहले आता है। ऐसे ही लक्ष्मी नारायण, राधे कृष्ण आदि। इसका आध्यात्मिक रहस्य है। परिवार को संस्कार देने, घर को मैनेज करने, आपसी सौहार्द्र बनाने में नारियों की अहम भूमिका है। आज हर क्षेत्र में महिलायें आगे जा रही है। परन्तु उन्हें अब काली और दुर्गा जैसी शक्ति धारण कर संसार में फैले बुराईयों का नाश करने की पहल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने बेहतर समाज के लिए कार्य रही प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में हजारों शक्ति स्वरूपा बहनों के बारे में बोलते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज विश्व की पहली ऐसी संस्था है जिसका देश और विदेश में संचालन महिलायें करती है। **'स्व'** परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के संकल्प के साथ पूरे विश्व में क्रान्तिकारी बदलाव के लिए 26 हजार बहनों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया है। इसके साथ दस लाख से अधिक लोगों को ऐसा संस्कार दिया है जिसके अंदर आसुरी प्रवृत्तियां नहीं हैं। नशामुक्त, विकार मुक्त तथा भेदभाव रहित समाज बनाने में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रही है।

उन्होंने नारी को शक्ति का रूप बताते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी है जिन्होंने 94 वर्ष के उम्र में भी लोगों के जीवन में क्रान्तिकारी परिवर्तन के लिए दृढ़ संकल्पित होकर इस कारवां को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने एक नया आयाम स्थापित किया है। आज जरूरत है कि समाज को अपराधमुक्त तथा श्रेष्ठ समाज के निर्माण के लिए महिलायें एक संकल्प के साथ समाज परिवर्तन का उदघोष करें। लाखों लोगों की जिन्दगी में नये जीवन का संचार करने वाली ब्र. कु. शिवानी ने कहा कि आप एक मार्गदर्शक की भूमिका निभायें तथा दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बनें। हमें इतना योग्य बनना है कि सारी सुविधायें और व्यवस्थायें अपने आप संचालित हो।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्था गोमतीगनर लखनऊ की प्रभारी ब्र. कु. राधा के साथ संस्था के अन्य लोग भी उपस्थित थे।